Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding special financial package to small weavers of Ichalkaranji, Maharashtra

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे (हातकणंगले): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका तहेदिल से शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि आप नए सांसदों को हमेशा बोलने के लिए प्रोत्साहित भी करते हैं, उनका हौसला भी बढ़ाते हैं । इसी हेतु हम सब नए लोग आपके सामने अपनी बात रख पा रहे हैं ।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं एक मुद्दे की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । मैं हातकणंगले लोक सभा संसदीय क्षेत्र से आता हूँ और उसका एक महत्वपूर्ण शहर इचलकरंजी है, जो देश की मैचेस्टर नगरी के नाम से जाना जाता था । वहां पर टैक्सटाइल का बहुत बड़ा उद्योग है । मंदी के बहुत खराब दौर से आज इचलकरंजी शहर गुजर रहा है । छोटे बुनकरों का शहर है । वहां की जरूरतें भी छोटी-छोटी हैं । इतनी बड़ी इंडस्ट्री होने के बावजूद भी आज वहां कोई फाइनेंशियल असिस्टेंस सरकार की ओर से नहीं आयी है । मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि रोटी, कपड़ा और मकान अगर ये आदमी की बुनियादी जरूरतें हैं तो उसमें रोटी के लिए फूड सिक्योरिटी बिल शासन लाया है । मकान के लिए प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी एक महत्वाकांक्षी योजना है, लेकिन कपड़े के बारे में निश्चित रूप से सरकार को जागरूक होना बहुत जरूरी है । मेरे संसदीय क्षेत्र में इचलकरंजी को स्पेशल पैकेज देने की मैं मांग आपके माध्यम से करना चाहूंगा । मेरी दूसरी मांग है कि साफ्टा की अंतर्राष्ट्रीय नीति के अंतर्गत हम लोगों का इम्पोर्ट-एक्पोर्ट का उद्योग चलता है । उसमें आने वाला जो माल है, वह चाइना का माल, पाकिस्तान का माल, यहां बांग्लादेश के माध्यम से इंडिया में आ रहा है । उससे हमारे यहां के कारीगर हैं, यहां के लोग हैं, जो अच्छे तरीके से काम कर रहे हैं, उनको उसका भुगतान देना पड़ रहा है और अच्छे लोगों को निश्चित रूप से इस काम को करने में दिक्कत आ रही है । मैं सरकार से मांग करता हूँ कि जिस तरह से महाराष्ट्र शासन ने किसानों का ऋण माफ किया है,

केन्द्र सरकार ने भी उसके लिए सिफारिश की, उसी हिसाब से जो छोटे बुनकर हैं, उनके लिए भी कर्जा माफी का प्रावधान शासन करे और अच्छे लोगों को इसमें आने की और महत्वाकांक्षा बढ़ती रहे । मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी बात समाप्त करता हूँ ।

*t27

Title: Need to set up Paramhans Dayal Vichar Kendra at Chhapra, Bihar.

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज): अध्यक्ष महोदय, हमारा देश सदियों से ऋषियों, मुनियों एवं महान संतों का देश रहा है । इन्हीं महान संतों में से एक अति गरिमामय संत स्वामी अद्वैतानंद जी महाराज जो परंहस दयाल जी के नाम से जाने जाते हैं, मेरे गृह प्रांत बिहार के सारण जिला के छपरा के थे । इनका जन्म सन् 1846 में हुआ था । परमहंस दयाल जी महाराज का जीवन, विचार और कार्य किसी जाति, क्षेत्र, भाषा और मजहब से जुड़ा हुआ नहीं था । इसलिए उन्होंने अपना कार्यक्षेत्र अपनी भाषा, अपने क्षेत्र एवं अपने मजहबी क्षेत्र से दूर गैर मजहबी क्षेत्र टेरी जो वर्तमान में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह का एक कस्बा है, उसको चुना और यहीं पर ज्ञान भक्ति का प्रचार करते हुए सन् 1919 में समाधि ले ली ।

परहंस दयाल जी महाराज के सिद्धान्तों, विचारों एवं कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए उनके शिष्यों ने अनेकों आश्रमों की स्थापना की जिनमें मेरठ के नागली साहब, वाराणसी का प्रसिद्ध गड़वाघाट आश्रम तथा आनन्दपुर आश्रम प्रमुख हैं । इन आश्रमों के गरिमापूर्ण कार्यकलापों से आज हमारा समाज और देश लाभान्वित हो रहा है ।

महोदय, आज जब हमारा समाज जाति, सम्प्रदाय और क्षेत्र में बँट कर राष्ट्रीय भावनाओं को कमजोर कर रहा है तो ऐसे में परहंस दयाल जी महाराज जैसे संतों के सिद्धान्तों, विचारों, कार्यों एवं उनकी जीवनी को जन-जन तक फैलाने की अति आवश्यकता है । महोदय, इस महान संत को आज पूरी दुनिया पूज रही है । विश्व भर में इनके हजारों अनुयायी सन्यासी और करोड़ों भक्तगण हैं । इसलिए इनके विचारों और सिद्धान्तों को जनहित, देशहित में फैलाने के लिए एक संस्था बनाना समाज और राष्ट्र के लिए अति आवश्यक है ।

अत: अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूँ कि उनकी जन्मभूमि क्षेत्र छपरा में एक परमहंस दयाल विचार केन्द्र की स्थापना सरकार के द्वारा की जाए । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: एडवोकेट अदूर प्रकाश जी बोलिए ।

...(<u>व्यवधान</u>)

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल : सर, आधा मिनट दे दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष : एडवोकेट अदूर प्रकाश जी, एक मिनट । इनका नोट हो जाए ।

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल : महोदय, ऐसी विचारधाराओं से जुड़े हुए लोग हैं । मैं आपके माध्यम से सरकार को यह कहना चाहता हूँ कि आज ऐसे संतों की विचारधाराओं को जानकर हम देश को और शक्तिशाली बना सकते हैं । देश में जो कुरीतियाँ हैं, उनको दूर सकते हैं । इसलिए मैं आपके माध्यम से माँग करना चाहता हूँ कि ऐसे संत की विचारधाराओं को व्यापक करने के लिए, उनकी जन्म स्थली पर एक परमहंस दयाल विचार केन्द्र की स्थापना की जाए । भारत सरकार अपने स्तर से उसको संचालित कराने का काम करे । महोदय, आपने समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

*t28

Title: Regarding construction of waste to energy plant at Peringamala in Attingal Parliamentary Constituency of Kerala.

ADV. ADOOR PRAKASH (ATTINGAL): Sir, I would like to draw the urgent attention of this House to an important matter regarding the proposed setting
up of waste energy plant at Peringamala in Trivandrum district, Kerala.

Peringamala is a part of the Agasthyamala Biosphere Reserve, a UNESCO-recognised region of tropical evergreen forests in the Western Ghats. It was listed as an ecologically sensitive area by the Kerala State Biodiversity Board. The plant will be set up near a tribal settlement in the area.

According to the local residents, no public consultations were done for the project. The unilateral manner in which the project undertaken has irked the local community. They are in protest against the establishment of plant since last one year.

Peringamala is home for many diverse plant species and medicinal plants. Polluting the Vamanapuram river will adversely affect the drinking water needs of people living in the surrounding areas.

I would like to request the Government to examine the matter and take an appropriate decision considering the concerns of local people.

*t29

Title: Need to provide basic facilities at Passport Seva Kendra in Meerut, Uttar Pradesh.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): आदरणीय अध्यक्ष जी, भारत सरकार द्वारा प्रत्येक जनपद अथवा लोक सभा क्षेत्र में 'पासपोर्ट सेवा केन्द्र' खोले जाने से इन सेवाओं में बहुत बड़ा सुधार हुआ है । पूरे भारत में 419 से अधिक पासपोर्ट सेवा केन्द्र खोले जा चुके हैं, जो देश के कोने-कोने में लोगों को आसान और सुविधाजनक पासपोर्ट सेवा प्रदान कर रहे हैं । परन्तु अध्यक्ष जी, मेरठ के पासपोर्ट सेवा केन्द्र में अधिकारियों की लापरवाही के कारण मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं । लगातार बिजली कटौती की खबरें आती हैं, जो कई बार 5-5 घंटे की हो जाती हैं । इस सेवा केन्द्र में पेयजल आपूर्ति से लेकर, पंखे इत्यादि की भी बुनियादी सुविधा मुहैया नहीं कराई गई है । असुविधा के कारण दूर-दराज से आए हुए आवेदकों को कई बार वापस जाने के लिए भी कह दिया जाता है । अध्यक्ष जी, इन पासपोर्ट सेवा केन्द्रों के संबंध में विदेश मंत्रालय तथा डाक विभाग में एम.ओ.यू. हुआ, जिसके अंतर्गत डाक परिसर तथा अन्य अवसंरचनात्मक सुविधाएँ प्रदान करने की जिम्मेदारी डाक विभाग की थी तथा इन सब कार्यों के लिए डाक विभाग को प्रति फाइल 300 रुपये दिए जाते हैं । मेरठ में स्थित पासपोर्ट सेवा केन्द्र द्वारा डाक विभाग को इस केन्द्र में संशोधित होने वाली रोजाना की लगभग 40 फाइलों के हिसाब से प्रतिमाह लगभग 2.50 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है, परन्तु स्थानीय स्तर पर डाक विभाग के अधिकारियों को लगातार कहे जाने के बावजूद उनके द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है ।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि कृपया डाक विभाग के अधिकारियों द्वारा की जा रही लापरवाही का संज्ञान लेते हुए डाकघर और पासपोर्ट कार्यालयों के बीच प्रभावी समन्वय तंत्र स्थापित करे ताकि पासपोर्ट सेवा केन्द्रों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें तथा आवेदकों को असुविधा का सामना न करना पड़े ।

*t30

Title: Need to promote Marshal Art, especially Karate in country.

श्री अब्दुल खालेक (बारपेटा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए मौका दिया, इसके लिए धन्यवाद । मैं कराटे गेम के बारे में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । पहले कराटे गेम ओलंपिक में नहीं था, लेकिन वर्ष 2020 में टोकियो में जो ओलंपिक होगा, उसमें यह इनक्लूड हुआ । टोकियो ओलंपिक में इंडिया का कोई रिप्रजेंटेशन नहीं है, लेकिन पिछले वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में जो कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप हुई थी, उसमें भारत के आठ बच्चों को जूनियर और सब-जूनियर में गोल्ड मिला था ।

महोदय, खेल मंत्री नॉर्थ-ईस्ट से आते हैं । असम के तीन खेलवार, कराटे प्लेयर निशाद अली, हेम्फू बोंगजंग और पंचामिता बरदोलाई, इन तीनों को गोल्ड मिला था । अरुणाचल प्रदेश, जहाँ से खेल मंत्री किरेन जी आते हैं, वहाँ से भी राजा यांगफो और मौजुम डोडूम को गोल्ड मिला था । जूनियर और सब-जूनियर में हमें आठ गोल्ड मिले और उनमें से पाँच गोल्ड नॉर्थ-ईस्ट के प्लेयर्स को मिले हैं । सीनियर लेवल पर हमारा कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, क्योंकि हमें कोचिंग नहीं दी गई और इस खेल को प्रोत्साहित करने के लिए जो कुछ करना चाहिए था, वह नहीं किया गया । मैं पहले विधान सभा में रहा हूँ । मैंने वहाँ मुख्य मंत्री जी को भी इस संबंध में रिक्वेस्ट की थी, लेकिन इन बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ नहीं दिया गया । मैं खेल मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि कराटे को प्रोत्साहित किया जाए ।

महोदय, मैं दो बार विधान सभा में रहा हूँ । मैं सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों में रहा हूँ, लेकिन यहाँ मैंने देखा कि आप लिस्टेड को भी मौका देते हैं और

अनलिस्टेड को भी जीरो ऑवर में बोलने का मौका देते हैं । आपने हमें भी बोलने का मौका दिया है । हम आशा रखेंगे कि आप आगे भी यह सुविधा हमें देंगे । हम यह भी आशा करेंगे कि खेल मंत्री जी कराटे गेम को आगे ले जाएंगे । धन्यवाद ।

*t31

Title: Request the Government through you, Sir, to issue necessary directions to the Corporate Office, BSNL, to set aside its Order of 4th March, 2004 restricting regularisation of 455 casual labourers and take up the issue with the CGMT Odisha Circle to regularise the services of such casual labourers at the earliest.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): I am raising a matter which has been already pending for last fifteen years. I had tried to raise this matter during Sixteenth Lok Sabha. Again, I have got the chance today.

It is about 455 casual labourers who are working in Bharat Sanchar Nigam Limited. On 3rd October, 2003, the Corporate Office directed the Odisha Telecomm Circle to regularise the services of 455 out of 1437 casual labourers who were found eligible for regularisation on the basis of information provided by the Odisha Telecomm Circle itself. However, this Order has been kept in abeyance by the Corporate Office, BSNL, *vide* its letter dated 4th March, 2004 on the basis of some observation made by Central Administrative Tribunal while deciding the applications of other casual labourers.

Sir, the Central Administrative Tribunal had allowed the CGMT Odisha Circle to complete the process of regularisation of 455 casual labourers *vide* its Order dated 29th March, 2004 and 5th April, 2004 but till date, no action has been taken by the competent authority in this regard.

I, therefore, urge upon the Government through you, Sir, to issue necessary directions to the Corporate Office, BSNL, to set aside its Order of 4th March, 2004 restricting regularisation of 455 casual labourers and take up the issue with the CGMT Odisha Circle to regularise the services of such casual labourers at the earliest. They are still working in BSNL and they need to be regularised. They are still fighting for their cause for last fifteen years. Therefore, I urge upon the Government through you, Sir, to regularise their services.

माननीय अध्यक्ष : मेरा सभी माननीय सदस्यगण से आग्रह है कि अगर वे एक-एक मिनट में अपनी बात रखने के लिए राजी हों, तो मैं आपको मौका देता हूँ और एक मिनट के बाद मैं दूसरे माननीय सदस्य का नाम पुकार दूँगा ।

श्री रामप्रीत मंडल जी ।

रामप्रीत मंडल जी, इस सदन में पहली बार बोल रहे हैं ।

*t32

Title: Request the Education Minister to open a Kendriya Vidyalaya in Jhanjharpur, Bihar.

श्री रामप्रीत मंडल (झंझारपुर): महोदय, मैं अपने आपको बहुत सौभाग्यशाली समझता हूँ कि आपने मुझे जीरो ऑवर में दो मिनट बोलने का समय दिया है ।... (व्यवधान) मैं इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूँ ।

महाशय, मैं मधुबनी जिला झंझारपुर से आता हूँ । वहाँ दो संसदीय क्षेत्र हैं । वहाँ कोई केन्द्रीय विद्यालय नहीं है और वर्षों से इसकी माँग हो रही है । वहाँ से बहुत बार इसके लिए पत्र लिखा गया है, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया है । मैं इससे पहले जाकर जिला पदाधिकारी से मिला, उन्होंने बताया कि मैं दो-चार बार मानव संसाधन विभाग को पत्र लिख चुका हूँ, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि हमारा क्षेत्र नेपाल के बॉर्डर पर अवस्थित है । वहाँ एसएसबी की दो बटालियन हैं, वहाँ कस्टम के पदाधिकारी हैं, आई.बी. के पदाधिकारी हैं । वहाँ बच्चों को पढ़ने में बहुत दिक्कत पैदा हो रही है ।

मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से निवेदन करूँगा कि वहाँ कम से कम एक केन्द्रीय विद्यालय खोला जाए । धन्यवाद ।

*t33

Title: Request the government to start a train from Delhi to Bulandshar, UP.

श्री भोला सिंह (बुलंदशहर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बुलंदशहर से आता हूं । बुलंदशहर यहां से मात्र 70 किलोमीटर की दूरी पर है । यहां भारी तादाद में गेहूं, गन्ना और आम की पैदावार होती है । यहां कई धार्मिक स्थल भी हैं, लेकिन बुलंदशहर से दिल्ली आने-जाने का कोई सीधा रास्ता नहीं है । सरकार ने तीन साल पहले एक सर्वे किया था, जो दादरी से सिकन्दराबाद, बुलंदशहर, जहाँगीराबाद, अनूपशहर होते हुए अलीगढ़-मुरादाबाद वाली लाइन में मिलता है । वह काम अधूरा है ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि उस सर्वे को अतिशीघ्र पूर्ण कराकर दिल्ली से बुलंदशहर के बीच एक ट्रेन चलाने की कृपा की जाए ।

*t34

Title: Request the Government of India to make a small amendment in the Indian Constitution and replace the Bengali script with the Meitei script, the script for Manipuri language so that Manipuri script may be printed on the Indian currency notes.

DR. R.K. RANJAN (INNER MANIPUR): Thank you, Sir, for giving me this opportunity to raise an important issue pertaining to my mother tongue Manipuri. I may be permitted to speak in Manipuri also as I have already requested.

..... In the year 1992, Manipuri Language was included in the Eight Schedule of the Constitution with the script of Bengali.

But now, after 20 years, we have learned our old script. A newspaper is being published and all the textbooks are transcribed into

Meitei script. I, therefore, would request the Government of India to make a small amendment in the Indian Constitution and replace the Bengali script with the Meitei script, the script for Manipuri language so that Manipuri script may be printed on the Indian currency notes. Also, our language is about 3,000 years old and, therefore, it may be declared as a classical language of India. Thank you.*

*t35

Title: Request the government of India to help the workers who lost their job after the shutting down of Saudi Oger company in 2016 to get there genuine legal dues.

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Sir, more than 11,000 Indians including 500 Keralites who lost their jobs after the shutting down of Saudi Oger company in 2016 are in distress and are suffering due to non-availability of their genuine legal dues including the end-of-service benefits. The stranded Indians were not getting food, accommodation or medicines and finally they returned to India on the assurance given by the Union Minister of State for External Affairs promising that the Union Government will do the needful in getting back their legal dues. Even after three years, none of the Indian workers received any genuine legal benefit. I urge upon the Government of India to intervene in this serious matter which is affecting the lives of thousands of Indians and resolve the same at the earliest and help the

workers get their legal dues and benefits from the Saudi Oger company. Thank you.

*t36

Title: Request to include Utkela Airport in 'Ud

श्री बसंत कुमार पांडा (कालाहाण्डी): महोदय, मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, वह बहुत पिछड़ा क्षेत्र है । इस विषय पर मैं पहले भी बोल चुका हूं । वहां पर दो बड़ी इंडस्ट्रीज़ लगी हैं - वेदांत लिमिटेड और उत्कल एलूमीना । वहां पर एक उत्केला नाम से एयरपोर्ट भी है, जहां पर रायगढ़ा, नबरंगपुर, कालाहाण्डी, कंधमाल, बोलांगीर और कंधमाल से लोगों का आना-जाना होता है । मेरी मांग है कि उत्केला एयरपोर्ट को 'उड़ान' योजना में शामिल किया जाए ।

महोदय, आपके माध्यम से नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मेरा एक और निवेदन है कि ओडिशा के 6 लाख लोग सूरत में रहते हैं, डेढ़ लाख लोग अहमदाबाद में रहते हैं और डेढ़ लाख लोग पुणे में रहते हैं । वे नौकरीपेशा हैं । वे हवाई जहाज का खर्च उठा सकते हैं । इसलिए भुवनेश्वर से अहमदाबाद, सूरत और पुणे के लिए डायरेक्ट एयर कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जाए । आपके माध्यम से मेरा इतना ही निवेदन है ।

माननीय अध्यक्ष: *m02 श्री सप्तगिरी उलाका को श्री बसंत कुमार पांडा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

*t37

Title: Request the government to open all the e-Mitra centres for Aadhar Card.

श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया (भीलवाड़ा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान जो नए आधार कार्ड बन रहे हैं और पुराने आधार कार्ड में अगर कोई संशोधन कराना है, इसमें आम जन को हो रही परेशानी की ओर आकर्षित करना चाहता हूं ।

माननीय अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी, इस विषय को बड़े ध्यान से सुनें । यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है । सरकार को इस विषय पर ध्यान देना चाहिए । कई माननीय सदस्य इस विषय को मेरे संज्ञान में लाए हैं ।

श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया: अध्यक्ष महोदय, पहले तो सभी ई-मित्र केन्द्रों पर आधार कार्ड्स बन सकते थे, उनमें संशोधन हो सकते थे । लेकिन, सरकार के आदेश के बाद अब यह काम केवल बैंकों में स्थित ई-मित्र केन्द्र या सरकारी कार्यालयों स्थित ई-मित्र केन्द्रों पर ही हो रहा है जबकि इसे बनाने वालों की संख्या बहुत है ।

20.00 hrs

जबकि इसमें बनाने वालों की संख्या बहुत है । बैंकों के अंदर सुबह 8 बजे से ही लाइन लग जाती है । पूरा दिन खराब होने के बाद भी शाम तक वह नहीं बनता है । मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि सभी ई-मित्र केन्द्रों पर यह कार्य शुरू कराया जाए ।

माननीय अध्यक्ष: कल मैं इस संबंध में बात करूंगा । आप निश्चिंत रहें ।

*m02 डॉ. संजय जायसवाल को श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

*t38

Title: Request the government to stop mob lynching in the name of Jaishri Ram and Gau Rakshaks.

SHRI T. N. PRATHAPAN (THRISSUR): Hon. Speaker, Sir, mob lynching in the name of *Jai Shri Ram* and *gau rakshaks* is increasing. ... *is leading all these attacks. After the BJP ... * came to power, attacks against Muslims and *Dalits* have increased.

Yesterday, a 15-year-old Muslim boy was burnt alive in Chandauli village of Uttar Pradesh. No case was registered. Criminals are being protected. …(*Interruptions*)*

माननीय अध्यक्ष: इसे कार्यवाही से निकाल दिया जाए ।

…(व्यवधान) …*

SHRI T. N. PRATHAPAN (THRISSUR): This is dangerous to our country. ... * is destroying the pluralism of our country. This is a shame for us. Where is our Prime Minister? He is busy with shooting. There is no use talking about anything if we lose the tradition of pluralism.

*t39

Title: Request to include the Janpad district in the list of most backward district of policy commission and establish a power plant and emblica based food park.

श्री संगम लाल गुप्ता (प्रतापगढ़): माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक पिछड़े जनपदों में से एक जनपद प्रतापगढ़ है, जो पूरी तरह से उद्योग विहीन है । यह रोजगार विहीन जनपद है, जिसमें लगभग 30 वर्ष पूर्व स्थापित एकमात्र ए.टी.एल. फैक्ट्री पूरी तरह से समाप्त हो गई है । वहां शहर से लगी हुई सैकड़ों एकड़ भूमि वीरान पड़ी है ।

माननीय अध्यक्ष जी, स्थानीय स्तर पर एकमात्र मुख्य उत्पादन आंवला का होता है । आंवला उत्पादन करने वाले खेतिहर मजदूर भी अब अपने उत्पादन का सही मूल्य नहीं पाने के कारण अपने बगान को काट रहे हैं । उन्हें उत्पादन का मूल्य तो दूर, बल्कि खाने के भी लाले पड़े हुए हैं । दूसरी ओर बढ़ती महंगाई और खेती से किसी व्यावसायिक फसल का उत्पादन न होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अभाव के कारण युवा वर्ग रास्ते से भटक कर हथियार उठा रहे हैं । वहां आए दिन अपहरण, हत्या, फिरौती जैसी घटनाएं आम बात हो गई है । दुर्भाग्यवश देश के सर्वाधिक अपराध पीड़ित जनपदों में से प्रतापगढ़ आज अग्रिम पंक्ति में गिना जाता है । आज तक वहां हालात में अपेक्षित सुधार नहीं लाया जा सका है ।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रतापगढ़ की वर्तमान परिस्थितियों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए,

नौजवानों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतापगढ़ जनपद को नीति आयोग के सर्वाधिक पिछड़े जनपदों की सूची में सम्मिलित कराया जाए । प्रतापगढ़ जनपद में बड़े पावर प्लांट, खाद फैक्ट्री तथा आंवला आधारित फूड पार्क की स्थापना कराने की भी महती कृपा की जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

*t40

Title: Request to Minister of Commerce and Industry to declare the pharma city as national investment and manufacturing zone in Hyderabad.

DR. G. RANJITH REDDY (CHEVELLA): Thank you very much, Sir. I come from Hyderabad city which has about 600 pharma companies and 200 bio-tech companies worth of 50 billion dollars and they contribute to Rs. 22,000 crore of exports, which accounts to one-third of the country's exports. Looking into all this, our hon. Chief Minister has announced that a pharma city will be developed in my constituency by allocating 19,300 acres of land for manufacturing R&D with zero liquidity discharge. There will be an investment of Rs. 60,000 crore and the exports will be worth of Rs. 50,000 crore. Also, it will generate 4.2 lakh jobs. The Government of India, in principle, has approved this and the Government of Telangana has also given all the statutory clearances.

Sir, through you, I request the hon. Minister of Commerce and Industry to declare this pharma city as national investment and

manufacturing zone in Hyderabad.

*t41

Title: Request to government to make a policy for the smooth running of business in Amroha City.

कुंवर दानिश अली (अमरोहा): अध्यक्ष जी, मैं अपने क्षेत्र से जुड़ा हुए एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा उठाना चाहता हूं । जैसाकि आप जानते हैं कि अमरोहा मेरा लोक सभा क्षेत्र है । अमरोहा दो हजार साल पुराना शहर है । यह एक हेरिटेज सिटी भी है, लेकिन वहां पर जरा-सी भी बारिश होती है, तो पूरा शहर पानी में डूब जाता है । वहां पानी की निकासी का कोई इंतजाम नहीं है । हालांकि यह स्टेट का सब्जेक्ट है, स्टेट गवर्नमेंट को लिखते-लिखते बहुत जमाना हो गया, लेकिन वहां कुछ नहीं हो रहा है ।

दूसरा, वहां कॉटन बेस्ड इंडस्ट्री रोजगार की बहुत बड़ी साधन थी, लेकिन वह पूरी तरीके से चरमरा गई है । कॉटन बेस्ड इंडस्ट्री का व्यापार करने वाले लोग आज भुखमरी के शिकार हैं । उनको बिजली भी बहुत महंगी दी जा रही है । रोज उनके ऊपर बिजली विभाग द्वारा छापे मारे जाते हैं । मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इतने पुराने शहर के कारोबार को सुचारू रूप से चलाने के लिए कुछ योजनाएं बनाई जाएं और सरकार अमरोहा शहर के लिए भी कुछ करे । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

کنور دانش علی (امروہہ): محترم اسپیکر صاحب، میں اپنے پارلیمانی حلقہ امروہہ سے جُڑاایک بہت ہی اہم مُدعہ اُٹھانا چاہتا ہوں۔ جیسا کہ آپ جانتے ہیں کہ امروہہ میرا لوک سبھا حلقہ ہے۔ امروہہ دو ہزار سال پُرانا شہر ہے۔ یہ ایک ہیریٹیج سِٹی بھی ہے، لیکن

وہاں پر زرا سی بھی بارِش ہوتی ہے تو پورا شہر پانی میں ڈوب جاتا ہے۔ وہاں پانی کی نکاسی کا کوئی انتظام نہیں ہے۔ حالانکہ یہ اسٹیٹ کا سبجیکٹ ہے، اسٹیکٹ گورنمنٹ کو لکھتے لکھتے بہت زمانہ ہو گیا، لیکن وہاں کچھ نہیں ہو رہا ہے۔

دوسرا، وہاں کوٹن بیسڈ انڈسٹری روزگار کی بہت بڑی سادھن تھی، لیکن وہ پوری طرح سے چر مرا گئی ہے۔ کوٹن بیسڈ انڈسٹری کی تجارت کرنے والے لوگ آج بھوکھمری کا شکار ہیں۔ ان کو بجلی بھی بہت مہنگی دی جارہی ہے۔ روز انکے اوپر بجلے محکمہ کے ذریعہ چھاپے مارے جا تے ہیں۔ میری آپ کے ذریعہ سرکار سے گزارش ہے کہ اتنے پُرانے شہر کے کاروبار کو سہی طریقے سے چلانے کے لئے کچھ یوجنائیں بنائی جائیں، اور سرکار امروہہ شہر کے لئے بھی کچھ کرے۔ بہت بہت شکریہ

---

*t42

Title: Request to Central Government to urge the state Government to pay Rs. 1017 Crore to the sugarcane farmers of Tamil Nadu.

DR. T. R. PAARIVENDHAR (PERAMBALUR): Hon. Speaker, Sir, I am glad to get this opportunity to speak in the Zero Hour. My representation is about the farmers of Tamil Nadu. In the Budget 2019-20, the Government spoke very much about the farmers. In the circumstances, the sugarcane growers in Tamil Nadu launched an agitation from 16th July 2019 against the State Government for their genuine grievances. More than 500 farmers were arrested. The reason for their agitation was that the special support price announced by the Government from 2013-14 has not been paid so far. The private sugar

mills, public sector sugar mills and cooperative sugar mills have to pay Rs. 1017 crore to the farmers. The Central Government has instructed the State Government to pay the arrears within 14 days but the State Government has failed to pay the amount. So, I want to know whether the Central Government can urge the State Government to solve this issue.

*t43

Title: Request to sanction and construct a multi speciality hospital for the people of Kanniyakumari.

SHRI H. VASANTHAKUMAR (KANYAKUMARI): Sir, the district of Kanniyakumari has only one general hospital. Lakhs of people come here from all over India and abroad. But the hospital is not fully equipped. My request is that a multi-speciality hospital may be sanctioned and constructed by the Central Government in Phase-IV upgradation under the Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Yojana. The people of Kanniyakumari go to other States for medical treatment. The State Government has already sent a proposal to the Central Government for a seven-storey building with estimated cost of Rs. 170 crore, two oxidation ponds for waste disposal with approximate cost of Rs. 8 crore and one casualty block worth Rs. Rs. 1.5 crore. The Central Government should upgrade our general hospital as super-speciality hospital to safeguard the people of Kanniyakumari and the southern region of the country.

*t44

Title: Request to confer Bharat Ratna on Dr. Muthulakshmi Reddy.

***SHRI B. MANICKAM TAGORE (VIRUDHUNAGAR):** Hon. Speaker Sir, Vanakkam. Today is the 133rd birth anniversary of Dr. Muthulakshmi Reddy. She was born in Pudukkottai of Tamil Nadu in the year 1886. Dr. Muthulakshmi Reddy got the distinction of being the first girl student to study medicine in India and the first female doctor of India; after being graduated in the year

1912. She also became the first female surgeon of the country. She was the first woman to become a legislator in India as she was a legislator in the Madras Legislative Council. Having been attracted by Gandhian principles Dr. Muthulakshmi Reddy took part in salt satyagraha and in protest against the British she resigned her post as MLA of the Madras Legislative Council. She instituted the Madras Institute of Cancer in the year 1954. The Nehru Government awarded her the Padma Bhushan in the year 1956. The Tamil Nadu Government led by Dr. Kalaignar added glory by starting a pension scheme in her name as Dr. Muthulakhsmi Reddy Pension Scheme. I urge upon the Union Government to confer Bharat Ratna on Dr Muthulakshmi Reddy. Thank you for this opportunity. Vanakkam.

माननीय अध्यक्ष : सीनियर एडवोकेट श्री पी. पी. चौधरी ।

*t45

Title: Request to the Minister of Civil Aviation to increase the flights for Jodhpur.

श्री पी. पी. चौधरी (पाली): सर, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । सर, मुझे लगता है कि आप किसी को भी पीछे नहीं रखेंगे, सभी को अपार्चुनिटी दे रहे हैं ।

महोदय, मैं जोधपुर हवाई अड्डे की समस्या के बारे में कहना चाहता हूं । यह एक बड़ा शहर है, जहां की जनसंख्या लगभग 20 लाख है । गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के नार्म्स के हिसाब से यहां से करीब दस फ्लाइट्स रोज होनी चाहिए । अभी ऐसा भी दिन निकला है कि नो फ्लाइट डे ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय उड्डयन मंत्री जी से, भारत सरकार से निवेदन है कि जोधपुर के लिए फ्लाइट्स बढ़ाई जाएं, क्योंकि यह बहुत ही महत्वपूर्ण शहर है । वहां हैंडीक्राफ्ट का भी बहुत बड़ा बिजनेस है और लगभग 3 हजार करोड़ रुपये का प्रति वर्ष एक्सपोर्ट हो रहा है ।

जो बाहर से आते हैं, चाहे अमेरिका से हों या उन कंट्रीज के इम्पोटर्स हों, उनको बड़ी तकलीफ होती है । मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि जोधपुर के लिए फ्लाइट बढ़ाई जाए, जिससे एक्सपोर्ट का बिजनेस भी बढ़े और आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिले । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही बुधवार दिनांक 31 जुलाई, 2019 को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

20.11 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Wednesday, July 31, 2019/ Shravana 9, 1941 (Saka).

* Not recorded.

* Not recorded.

* English translation of speech originally delivered in Marathi.

* English translation of the Speech originally delivered in Tamil.

* Laid on the Table.

* Not recorded.

* Not recorded.

* English translation of the Speech originally delivered in Tamil

* English translation of the Speech originally delivered in Tamil.

* English translation of the Speech originally delivered in Tamil.

* ….* English translation of this part of the Speech originally delivered in Manipuri.

* Not recorded.

* Not recorded.

* English translation of the Speech originally delivered in Tamil.